[This question paper contains 6 printed pages.]

3437 *Your Roll No.* .....

LL.B. / III Term **BS**

Paper LB-3035 : CARRIAGE BY LAND, SEA AND AIR AND LAW RELATING TO MOTOR VEHICLES

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :– Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :– इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any **Five** *questions.*
All *questions carry equal marks.*

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1 Write short notes on any **two** of the following :

(a) 'Bill of Lading' and what are the legal implications of it in a sea carriage ?

(b) Concepts of 'Hit and run' motor accidents and 'solatium fund scheme'.

(c) Distinguish between a 'common carrier' and a 'private carrier' in the light of the Carriers Act, 1865. (10×2=20)

P.T.O.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए :

(क) लदान-पत्र तथा समुद्री वहन में इसकी विधिक विवक्षाएं क्या होती हैं ?

(ख) 'मारो और भाग जाओ' मोटर दुर्घटना और तोषण विधि योजना की संकल्पना ।

(ग) वाहक अधिनियम, 1865 को ध्यान में रखते हुए 'सामान्य वाहक' तथा 'प्राइवेट वाहक' के बीच भेद दर्शाइए ।

2. Soumya, a 7 year old girl, was travelling by a truck which was covered under third party insurance scheme only. The truck met with an accident and Soumya succumbed due to the injuries caused by the accident. Discuss the liability of the insurer of the truck which was meant for carrying goods only, by explaining changes in the Motor Vehicles law at different points of time. (20)

एक 7 वर्षीय लड़की सौम्या ट्रक से यात्रा कर रही थी । ट्रक केवल अन्य पक्षकार बीमा योजना के अन्तर्गत था । ट्रक दुर्घटना का शिकार हो गया और सौम्या दुर्घटनाजनित चोटों के कारण मर गई । अलग-अलग समय पर मोटरयान विधि में हुए बदलावों को स्पष्ट करते हुए ट्रक के बीमाकर्ता के दायित्व का विवेचन कीजिए जो केवलमात्र माल ढोने के लिए अभिप्रेत था ।

3. The legal position explained in Union of India V/S Sunil Kumar Ghosh was vulnerable as far as victims of railway accidents were concerned. Express your views by pointing out the later changes in law. (20)

जहां तक रेलवे दुर्घटनाओं के पीड़ितों का सम्बन्ध था *यूनियन ऑफ इन्डिया* बनाम *सुनील कुमार घोष* में स्पष्ट की गई विधिक स्थिति चूकपूर्ण थी। विधि में बाद में हुए परिवर्तनों को इंगित करते हुए अपनी राय व्यक्त कीजिए।

4. "The concept of 'No fault Liability' in the Motor Vehicles law stands away from the tortious liability principles which warrant compensation to be paid by a faulting party to a non faulting party." Critically analyse the statement with the help of precedents. (20)

"मोटरयान विधि में "दोष नहीं" दायित्व की संकल्पना अपकृत्यात्मक दायित्व सिद्धान्तों से अलग है जिनके अनुसार चूक न करने वाले पक्षकार को चूक करने वाले पक्षकार द्वारा प्रतिपूर्ति करनी होती है।" पूर्वनिर्णयों की सहायता से उक्त कथन का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए।

5. Briefly explain the following :

(a) "A condition in the 'bill of lading' absolving the sea carrier from liability will not come for his rescue in case of loss or damage to property transported, resulting from his wilful act of negligence." Examine the statement by citing the relevant case law on the point.

(b) "If the insurance document expressly mentions the date and time at which the policy starts running, any argument for counting the coverage from the previous midnight of the day of taking the insurance policy will fail." Express your comment by referring to decided cases. (20)

निम्नलिखित की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए :

(क) "समुद्री वाहक को दायित्व से मुक्त करने वाले लदान-पत्र में दी गई शर्त परिवहनित सम्पत्ति को हुई उस हानि या नुकसान के मामले में बचाव नहीं करेगी जो उसकी जानबूझकर की गई उपेक्षा के परिणामस्वरूप हुआ था।" इस बिन्दु पर सुसंगत निर्णय विधि का हवाला देकर उक्त कथन की जांच कीजिए।

(ख) "यदि बीमा दस्तावेज में उस तारीख तथा समय का अभिव्यक्त उल्लेख किया गया है जिस पर पालिसी की शुरूआत हुई थी, तब बीमा पालिसी लेने के दिन की पहली आधी रात से कवरेज की गणना करने हेतु कोई भी दलील विफल रहेगी।" विनिश्चित केसों को निर्दिष्ट करके अपनी टिप्पणी लिखिए।

6. "The selection of the multiplier for assessing just compensation in motor accident cases depends largely upon the expertise and experience of the judge in formulating just, fair and reasonable conclusions." Substantiate this judicial opinion with the help of decided cases on different theories for assessing such compensation. (20)

"मोटर दुर्घटना के मामलों में न्यायोचित प्रतिपूर्ति के निर्धारण हेतु गुणक का चयन प्रमुखत: न्यायाधीश की न्यायोचित, निष्पक्ष और युक्तियुक्त निष्कर्षों को सूत्रबद्ध करने में सुविज्ञता तथा अनुभव पर निर्भर करता है।" ऐसी प्रतिपूर्ति का निर्धारण करने हेतु विभिन्न परिकल्पनाओं पर विनिश्चित केसों की सहायता से इस न्यायिक मत को पुष्ट कीजिए।

7. Mr. Ravinder was hit by a blue line bus and finally after 5 days of hospitalization he succumbed to the injuries caused by the accident. In a suit for compensation filed by his dependents, the Insurance company raised an argument that at the relevant time of accident, the bus was being driven by the cleaner cum conductor of the bus who was not carrying a valid driving license. Further, the insurer argued that the unlicensed conductor drove the bus with the permission of the duly appointed driver and it was not in the knowledge of the owner of the vehicle. Give your decision with supporting cases. (20)

मि० रवीन्दर की एक ब्लू लाइन बस से टक्कर हो गई तथा 5 दिन तक अस्पताल में रहने के बाद वह अन्ततः दुर्घटना के कारण लगी चोटों से मर गया। उसके आश्रितों द्वारा प्रतिपूर्ति हेतु फाइल किए गए वाद पर बीमा कम्पनी ने तर्क प्रस्तुत किया कि दुर्घटना के सुसंगत समय पर बस को उस क्लीनर व कंडक्टर द्वारा चलाया जा रहा था जिसके पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था। बीमाकर्त्ता ने इसके अतिरिक्त यह तर्क भी दिया कि बिना लाइसेंस वाले कन्डक्टर ने विधिवत् नियुक्त ड्राइवर की अनुमति से बस चलाई तथा वाहन के स्वामी को इसकी जानकारी नहीं थी। पोषक केसों सहित अपना विनिश्चय लिखिए।

8. 600 cartons of readymade garments were delivered by M/S. Ram & Co. to Singapore Airlines to be transported from Delhi to Paris, and to be dispatched

to the original consignee M/S. Lewis & Co., Later on, before the conclusion of the carriage, the consignor, M/S. Ram & Co. had instructed the carrier in writing that the consignment should be delivered to M/S. Regal Imports Co. instead of the original consignee M/S. Lewis & Co. However, the air carrier had disobeyed the consignor's instruction and delivered the consignment to M/S Lewis & Co., the original consignee thereby resulting in some monetary loss to the consignor. Advise the consignor to prepare his case for compensation to be claimed from the air carrier by referring to the relevant points of law and decided cases. (20)

मैसर्स राम एंड कम्पनी ने सिले-सिलाए कपड़ों के 600 कार्टन सिंगापुर एयरलाइन्स को दिल्ली से पेरिस वाहित किए जाने तथा मूल परेषिती मैसर्स लेविस एंड कम्पनी को प्रेषित किए जाने के लिए डिलीवर किए थे। बाद में, वहन की समाप्ति से पहले परेषक मैसर्स राम एंड कम्पनी ने वाहक को लिखित अनुदेश दिए कि परेषण को मूल परेषिती मैसर्स लेविस एंड कम्पनी के बजाय मैसर्स रीगल इम्पोर्ट्स कम्पनी को डिलीवर किया जाना चाहिए। किन्तु विमान वाहक ने परेषक के अनुदेशों की अवज्ञा की तथा परेषण को मूल परेषिती मैसर्स लेविस एंड कम्पनी जिसके परिणामस्वरूप परेषक को कुछ रुपए-पैसे की हानि हुई। परेषक को विमान वाहक से मांगे जाने के लिए प्रतिपूर्ति हेतु अपना केस सुसंगत विधि बिन्दुओं और विनिश्चित केसों को निर्दिष्ट करते हुए तैयार करने का परामर्श दीजिए।

(200)****